

आजाद सिपाही

राजधानी में अपराधी बेलगाम, डीजीपी सख्त

राजधानी रांची में बेखौफ अपराधियों ने लगातार तीसरे दिन भी रांची पुलिस को चुनौती दी है। इन तीन घटनाओं ने जिले की कानून-व्यवस्था

पर गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं। अपराधियों ने कांके रोड में गुरुवार की शाम कांग्रेस नेता को गोली मार दी थी, जबकि शुक्रवार को वकील की

चाकू मार कर हत्या कर दी। शनिवार को स्पेशल ब्रांच के एक दारोगा को ही अपराधियों ने देर रात में अपनी गोली का निशाना बना दिया। इन घटनाओं

से रांची पुलिस की कार्य शैली उजागर हो गयी है, वहाँ डीजीपी ने भी सख्त लहजे में कहा कि कार्यशैली सुधारें या फिर बाहर जाने को तैयार रहें।

स्पेशल ब्रांच के दारोगा की गोली मार कर हत्या

आजाद सिपाही संचादाता

रांची। रांची में अपराधियों ने स्पेशल ब्रांच के सब ईंपेक्टर अनुपम कच्छप की गोली मार कर हत्या कर दी। उनका शब्द शनिवार की सुबह काके थाना क्षेत्र में रिंग रोड से बरामद हुआ। वह 2018 बैच के थे। कई अधिकारी रिस्म पहुंचे। डीआइजी अनुपम विवरे ने बताया कि कांके रिंग रोड स्थित एक बाजे दो बजे अनुपम अपनी बाइक से अपेक्षा निवारी। इस दौरान अपराधियों ने अनुपम की गोली मार कर हत्या कर दी। डीजीपी ने उड़वे चार गोली मारी थी। इसके बाद रिस्म में उनके शर्करा पोस्टमार्टम कराया गया।



गया है। हत्याकांड के संबंध में कांड सख्ता के लिए कांके रिंग रोड स्थित एक बाजे दो बजे अनुपम अपनी बाइक से अपेक्षा निवारी। इस दौरान अपराधियों ने अनुपम की गोली मार कर हत्या कर दी। डीजीपी ने उड़वे चार गोली मारी थी। इसके बाद रिस्म में उनके शर्करा पोस्टमार्टम कराया गया।

पार्टी से लौट रहे थे दारोगा

मूल रूप से खूनी जिला निवारी अनुपम अपने दोस्रे कांके रिंग रोड स्थित एक बाजे दो बजे अनुपम अपनी बाइक से अपेक्षा निवारी। इस दौरान अपराधियों ने अनुपम की गोली मार कर हत्या कर दी। डीजीपी ने उड़वे चार गोली मारी थी। इसके बाद रिस्म में उनके शर्करा पोस्टमार्टम कराया गया।

रांची (आजाद सिपाही)। राजधानी के सुखदेवनगर थाना इलाके में सिविल कोर्ट के अधिवक्ता गोपाल कृष्ण की हुई हत्या के मामले से पुलिस के हाथ अब तक खाली है। अधिवक्ता की हत्या शुक्रवार को चाकू धोप कर हुई थी। शनिवार को डीजीपी ने कहा कि अनुपम उनके छोटे भाई की तरह था। बाद में पुलिस लाइन में अनुपम कुमार कच्छप को पहुंचे। डीजीपी ने मृतक गोपी बाबू की मां और पत्नी से काफी देर तक

बातचीत की और अपराधियों की जल्द गिरफतारी का आशयसन दिया। इस दौरान डीजीपी ने परिजनों से कानून जानने का भी प्रयास किया। डीजीपी ने मीडिया से कहा कि एसपीएस की पीरी टीम जांच में जुटी है। तकनीकी शाखा भी सुरक्षा दूर्घटना के पर्याप्त जांच कर रही है। अपराधियों की फैचान हो गयी है। उनका पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। उमीद है कि जल्द अपराधी रांची के लिए दिल्ली ले जाया गया। इस हत्याकांड का मुख्य आरोपित दिवाज दिया था।

गोली से घायल पूर्व पार्षद वेद प्रकाश सिंह की दिल्ली में मौत

रांची (आजाद सिपाही)।

अपराधियों की गोली से घायल इलाजरत रांची के धुर्व के पूर्व पार्षद वेद प्रकाश सिंह की मौत शनिवार को डीजीपी के एस में हो गयी। धुर्व में बीती 7 जुलाई को अपराधियों ने उड़वे गोली मारी थी। उस समय वह चाय की तुकान पर बैठे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन अपराधी वहाँ पर फैले।



सत्यम पाठक और धीरज मिश्र अपराधी वहाँ पर फैले। हालांकि रांची पुलिस ने हत्याकांड में शामिल उत्तरप्रदेश के गोलीपुर के रहनेवाले राहुल को जख्मी कर दिया। उड़वे गोली लगी थी। उनके पूर्व वह चाय की तुकान पर बैठे थे। पुलिस जांच में पता चला था कि धीरज मिश्र का वार्ड पर फैले। अपराधी वहाँ से गुरुग्राम दूर ही है। अपराधियों की फैचान हो गयी है। उनका पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। उसके साथ अपराधी रांची के लिए दिल्ली ले जाया गया। इस हत्याकांड का मुख्य आरोपित

अधिवक्ता हत्याकांड में पुलिस के हाथ

अब तक खाली, परिजनों से मिले डीजीपी



रांची (आजाद सिपाही)। राजधानी के सुखदेवनगर थाना इलाके में सिविल कोर्ट के अधिवक्ता गोपाल कृष्ण की हुई हत्या के मामले से पुलिस के हाथ अब तक खाली है। अधिवक्ता की हत्या शुक्रवार को चाकू धोप कर हुई थी। शनिवार को डीजीपी ने कहा कि अनुपम उनके छोटे भाई की तरह था। बाद में पुलिस लाइन में अनुपम कुमार कच्छप को पहुंचे। डीजीपी ने मृतक गोपी बाबू की मां और पत्नी से काफी देर तक

मुख्यमंत्री मंडियां सम्मान योजना से 50 लाख महिलाओं को लाभ : सचिव

पहले दिन आरे 2582 आवेदन

21 से ऑनलाइन आवेदन

की सुविधा होगी शुरू

आजाद सिपाही संचादाता

रांची। महिला बाल विकास और सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मोज कुमार ने कहा है कि मुख्यमंत्री मंडियां सम्मान योजना से राज्य की 21 से 50 वर्ष की 50 लाख महिलाओं को लाभ मिलाया। इस योजना के तहत प्रत्येक महिला को सरकार एक हजार रुपये प्रतिमाह देगी। वह शनिवार को मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने

बताया कि मंडियां योजना से होंगी।

पहले दिन 2582 आवेदन

महिलाओं को आच्छादित करने के

लिए मिशन मोड में काम किया जा रहा है। योजना को सफल बनाने के

लिए आवेदन अपलोड करने में शुरू में कुछ अड़चने आवी थीं। उन्होंने दूर कर दिया गया है।

सचिव ने बताया कि मंडियां योजना का पोर्टल तैयार

पोर्टल के माध्यम से ही होगा सत्यापन

सचिव ने बताया कि आवेदन का सत्यापन पोर्टल के माध्यम से ही होगा।

पहले दिन 36 हजार दिट पोर्टल में प्राप्त हुए हैं। इसलिए उमीद है कि मंडियां योजना की महिलाओं के उद्योग अवधारणा के उद्योगों में आरोपित होंगी।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक कैपेंट में आरोपित हो रही है। साथ ही प्रत्येक जिले में इस योजना की जागरूकता को लेकर रथ रवाना किया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिशा-निर्देश में विभागीय स्तर पर परिवर्तित की जा रही है।

को मिलेगा, जो अन्य किसी पेशन योजना का लाभ नहीं ले रही है।

योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन अपलोड करने में शुरू में कुछ अड़चने आवी थीं।

सीएम से मिला वितरहित मोर्चा का शिष्टमंडल, मिला आशासन मांगे जायज, जल्द होगी कार्टवाई: हेमंत

पोशाक, किटाब, छात्रवृत्ति,
साइकिल देने पर भी
फैसला जल्द: नंदी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। वितरहित शिक्षा संघर्ष मोर्चा का शिष्टमंडल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिला और अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन दिया, वार्ता की। विधायक अनुप कुमार सिंह, दीपिका पांडेय सिंह, पूर्व मंत्री बंधु तर्की के नेतृत्व में मोर्चा ने सीएम को वितरहित संघर्षों के लिए शिक्षाकर्मियों को गाज़ कर्मी का दर्जा देने की मांग की। साथ ही महांगाई को देखते हुए अनुदान की राशि में 75 प्रतिशत वृद्धि की बात उठायी। अनुदान की राशि सीधे शिक्षक कर्मियों के खाते में भेजने, इंटरमीडिएट के नामकंक में पूर्व की निर्धारित स्कूल के विद्यार्थियों के खाते को व्यापत रखने, स्कूल-इंटर कार्लेज में बच्चों के ड्रेस, छात्रवृत्ति, किटाब और साइकिल देने की मांग उठायी। मोर्चा के रघुनाथ सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री ने मोर्चा की मांगों को ध्यान से पढ़ा और कहा



कि राज्य कर्मी का दर्जा देने का और समान काम के लिए समान वेतन देने के सदन में दिये गये आशवासन पर कार्रवाई होगी। अनुदान की राशि बढ़ाने के प्रस्ताव को कैविनेट में लाया जायेगा। अनुदान की राशि सीधे शिक्षक कर्मियों के खाते में भेजने पर कुमार दांगी ने कहा कि यह मार्ग अनुदान रक्त-इंटर कार्लेज के बच्चों को वह सुविधा देने की कार्रवाई चल रही है। इस पर पूर्व की भाँति व्यापत रखने के खाते में भेजने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मार्ग जायज है। इस पर कार्लेज में नामकंक को जल्द ही नहीं लिये जायेगा।

इस पर जल्द ही निर्णय लिये गये। इसी बीच शिक्षा मंत्री वैद्यनाथ राम मुख्यमंत्री के पास पहुंचे और मोर्चा के प्रतिनिधियों द्वारा मुख्यमंत्री से सरकारी स्कूल के बच्चों के समान पोशाक, छात्रवृत्ति, साइकिल, किटाब देने के मांग पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि अनुदान रक्त-इंटर कार्लेज के बच्चों को वह सुविधा देने की कार्रवाई चल रही है। इस पर जल्द ही निर्णय ले लिया जायेगा। कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि यह मार्ग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वितरहित स्कूल-इंटर कार्लेज में बच्चों के ड्रेस, छात्रवृत्ति, किटाब और साइकिल देने की मांग उठायी। मोर्चा के रघुनाथ सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री ने मोर्चा की मांगों को ध्यान से पढ़ा और कहा

शिष्टमंडल में शामिल
मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल में रघुनाथ सिंह, अरविंद सिंह, संजय कुमार, मनीष कुमार, प्राचार्य संजय कुमार सिंह, पौरी सिंह थे।

रित शिक्षकों का मामला बहुत दियों से लटका है। इसका समाधान जरूरी है। मुख्यमंत्री ने मोर्चा के ज्ञापन पर आवश्यक कार्रवाई के लिए आप सचिव को आदेश दिया।

सिविल कोर्ट में न्यायिक कार्य ठप वकील के आश्रितों के लिए मांगा एक करोड़ मुआवजा

आजाद सिपाही संवाददाता

विधायक सीपी पहुंचे मृतक अधिवक्ता के घर, दी सांत्वना

रांची (आजाद सिपाही)। विधायक सीपी सिंह ने कहा कि सरकार ने झारखण्ड को जंगल राज्य का पर्याय बना दिया है। निकलकी सरकारी पुलिस की अकर्मन्यता के कारण जनता की सुरक्षा भगवान भरोसे है। स्पेशल ब्रांच के दारोगा और सिविल कोर्ट के अधिवक्ता गोपी कृष्ण की निर्मम हत्या इसका उदाहरण है। जब कानून के रखवाली पुलिस, व्यापार दिलाने वाले बकील ही सुरक्षित नहीं हैं, तो भला आम जनता को कौन सुधूले। शनिवार को विधायक सीपी सिंह मधुप्रीत, महांशु टोली में बहनों ले मृत अधिवक्ता गोपी कृष्ण के घर जाकर शोक सतत परिवार को सांत्वना दी। कहा

अधिवक्ता गोपी की सुरक्षा की मांग की जायेगी। उन्होंने इस कार्रवाई के लिए अपराधियों को अधिवक्ता गोपी कृष्ण के घर जाकर शोक सतत परिवार को सांत्वना दी।

अधिवक्ता गोपी की मांग की जायेगी। उन्होंने इस संबंध में अपराधियों को अधिवक्ता गोपी कृष्ण के घर जाकर शोक सतत परिवार को सांत्वना दी।

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में हो रहे जबरन धमारंग की बारदातों पर राज्य सरकार पर हमला बोला। श्री मरांडी ने कहा कि झारखण्ड में विलत सुधाय का उत्तीर्णन चरम पर पहुंच चुका है। बाबूलाल रोड अंबेकर के संविधान की दुहाई देनेवाले बाले और उनकी कांग्रेस पार्टी विलतों पर हो रहे अत्याचार पर चुप्पी साधे हुए हैं। कांग्रेस-झामुंगों की सरकार झारखण्ड को

झारखण्ड को इस्लामिक स्टेट बनाने पर तुली है सरकार: बाबूलाल मरांडी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में हो रहे जबरन धमारंग की बारदातों पर राज्य सरकार पर हमला बोला। श्री मरांडी ने कहा कि झारखण्ड के अंतर्गत सुधाय का उत्तीर्णन चरम पर हुआ है। बाबूलाल रोड अंबेकर के संविधान की दुहाई देनेवाले बाले और उनकी कांग्रेस पार्टी विलतों पर हो रहे अत्याचार पर चुप्पी साधे हुए हैं। कांग्रेस-झामुंगों की सरकार झारखण्ड को

रायपुर-धनबाद इकोनॉमिक कॉरिडोर पर खर्च होंगे 130 करोड़

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। छत्तीसगढ़ के पथलगांव से झारखण्ड के गुमला तक 32 किमी गीनफील्ड रोड निर्माण की मंजूरी मिल गयी है। भारत सरकार ने रायपुर-धनबाद अधिकृत कॉरिडोर के तहत बन रहे हाई स्पीड रोड के अंतर्गत सेवन की निर्माण की भी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस सक्षमता को 1300 करोड़ रुपये खर्च आ रहे हैं।

एनएचआई के अधिकारियों ने बताया कि यह सड़क 32 किमी से लंबी है, जो पूरी तरह से ग्रीनफील्ड बोर्डेरी। यह गुमला के लिए रिंग रोड के तहत यह सड़क बनेगी। इससे शहर के बाहरों का जाम भी काफी कम होगा। वहाँ से गुमला परेशास से होगा। वहाँ से गुमला बांधारा जाने वाली स्पेशल रोड के लिए जीवानभूमि बोर्डेरी। यह गुमला के लिए रिंग रोड के तहत काम चल रहा है। इसमें दो सेवन काम काम भी पूरा हो गया है। अब आखिरी चरण छत्तीसगढ़ के पथलगांव से गुमला

तक की फोरलेन रोड बनाने की स्वीकृति दी गयी है। हालांकि रायपुर-धनबाद इकोनॉमिक कॉरिडोर में 4,473 करोड़ रुपये खर्च आ रहे हैं।

एनएचआई के अधिकारियों ने बताया कि यह सड़क 32 किमी से लंबी है, जो पूरी तरह से ग्रीनफील्ड बोर्डेरी। यह गुमला के लिए रिंग रोड के तहत काम चल रहा है। इसमें दो सेवन काम काम भी पूरा हो गया है। अब आखिरी चरण छत्तीसगढ़ के पथलगांव से गुमला



विकास का द्वारा खोलेगी यह सड़क

रायपुर-धनबाद अधिकृत गलियार सिंगल कॉरिडोर के तहत काम करेगा। यह राज्यों के पिछडे इकाइयों के प्रमुख शहरों से जोड़ने का साथ खड़ा है। इनके बारे में अधिवक्ता गोपी कृष्ण के घर जाकर शोक सतत परिवार को सांत्वना दी जाती है। इसका अधिकारी गोपी कृष्ण के घर जाकर शोक सतत परिवार को सांत्वना दी जाती है। इसका अधिकारी गोपी कृष्ण के घर जाकर शोक सतत परिवार को सांत्वना दी जाती है।

इसका अधिकारी गोपी कृष्ण के घर जाकर शोक सतत परिवार को सांत्वना दी जाती है।

पांच करोड़ की ब्राउन शुगर बरामद, पांच गिरफ्तार

अनगढ़ा थाना के हेसल गांव में ब्राउन शुगर बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़



रुपये हैं। यह जानकारी खट्टी

संपादकीय

वायनाड से मिला सबक

अ पनी प्राकृतिक खुबसूरती के लिए मशहूर केरल के वायनाड में इन दिनों तबाही और खौफ का मंजर पसरा हुआ है। यह नतीजा है पर्यावरण से बिलबाड़, हमारे अंतर्भीन लालच और चेतावनियों की अनदेखी का। लैंडस्लाइड में मने वालों की संख्या 300 को पार कर गयी है। राज्य सरकार कह रही है कि बचाव कार्य चंद्र दिनों में पूरा होने वाला नहीं। लेकिन, क्या इस सवाल का जवाब सरकार या किसी के भी पास है कि वायनाड में हमने जिन्हें खोया और जो गंवाया, उसको जिम्मेदारी किस पर है? इसके के हैंडबॉल सेटर ने प्रभावित इलाके की सेटेलाइट तस्वीरें ली हैं। उसके मुताबिक 1,550 मीटर की ऊँचाई जलरत और उसे निभाने के जरूरी जलरत और उसे निभाने के जरूरी जलरत और उसे वह रिश्ता जीवन भर बना रह सकता है?

मित्रता का भावना से संबंध
सभी लोगों के जीवन में ऐसे पल आये होंगे, उन व्यक्तियों से मिले होंगे या अचानक आपने-सामने आ गये होंगे जिन्हें देख कर मन में यह भावना उत्पन्न हुई होगी कि यह तो मेरे ही जैसा या जैसी है। वचन में ऐसे परिवार या पड़ोस में अथवा स्कूल आते-जाते या एक कक्षा में कोई न कोई तो होता है, जिसके साथ बात करने, मिल बैठने और अपना कोई भी रहस्य बाटने की इच्छा अपने आप हो जाती है। इसमें परिवार या खानदान अथवा धन दीलत, गरीबी अमरी और सामाजिक पहरेदारी की कोई जगह नहीं होती। विधिन परिस्थितियों के कारण चाहे सांसारिक रूप से किसे भी दूर हों, किसी भी कुमाम पर हो, उसके बाद जरूर आती है, बरसों न मिले होंगे।

लेकिन जब भी मुलाकात हुई हो और हालात कैसे भी हो, वही पुराने क्षण स्मृति में कौदंने लगते हैं, जो एक तरह से हरेक के जीवन की दाल होते हैं। कहते हैं कि दोस्तों के साथ रहने से उप्रबद्धी होती है, मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहता है, शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। प्रमाण है कि दोस्त साथ हो तो गंभीर बीमारियों जैसे दिल या कैंसर के गंभीर प्रक्रियाएँ नहीं होती हैं और वह भी बिना सामने बैठे अर्थात् केवल खालों के जिये कि दोस्त यहीं कहती है, वही अहसास जल्दी ठीक होती है, लेकिन हम सबक सीखने को तैयार नहीं। सच है कि विकास का पैटर्न, अर्थिक गतिविधियों की दिशा बदलना आसान नहीं, लेकिन यह कठिन काम अब और टाला नहीं जा सकता। ये आपदाएँ प्रकृति की ओर से भेजी जाने वाली गंभीर चेतावनी हैं, जिनकी अनदेखी सबके लिए घातक होगी।

अभिमत आजाद सिपाही

प्रमाण है कि दोस्त साथ हो तो गंभीर बीमारियों जैसे दिल या कैंसर के दोगी दुगुनी गति से ठीक होते हैं। असल में दोस्ती ऊँजा देती रहती है और वह भी बिना सामने बैठे अर्थात् केवल खालों के जिये कि दोस्त यहीं होती है, यहीं अहसास जल्दी ठीक होती है। इसके विपरीत अगर ऐसा भावनात्मक संबंध रखने वाला व्यक्ति जिंदगी में नहीं है तो फिर केवल दवाइयों का ही भरोसा रह जाता है।

दोस्ती के बीच दरार का कारण न बन जाये बुद्धि

पूरन चंद्र सरीन

प्रति वर्ष अगस्त के पहले रविवार को भारत सहित अनेक देशों में मित्रता दिवस मनाने की परेशानी है। यह दिन केवल नाम के लिए नहीं, बल्कि गंभीरता से सोचने का अवसर है कि दोस्ती की परिभाषा, उसके मुताबिक 1,550 मीटर की ऊँचाई जलरत और उसे निभाने के जरूरी जलरत और उसे वह रिश्ता जीवन भर बना रह सकता है?

मित्रता का भावना से संबंध सभी लोगों के जीवन में ऐसे पल आये होंगे, उन व्यक्तियों से मिले होंगे या अचानक आपने-सामने आ गये होंगे जिन्हें देख कर मन में यह भावना उत्पन्न हुई होगी कि यह तो मेरे ही जैसा या जैसी है। वचन में ऐसे परिवार या पड़ोस में अथवा स्कूल आते-जाते या एक कक्षा में कोई न कोई तो होता है, जिसके साथ बात करने, मिल बैठने और अपना कोई भी रहस्य बाटने की इच्छा अपने आप हो जाती है। इसमें परिवार या खानदान अथवा धन दीलत, गरीबी अमरी और सामाजिक पहरेदारी की कोई जगह नहीं होती। विधिन परिस्थितियों के कारण चाहे सांसारिक रूप से किसे भी दूर हों, किसी भी कुमाम पर हो, उसके बाद जरूर आती है, बरसों न मिले होंगे।

विधिन जब भी मुलाकात हुई हो और हालात कैसे भी हो, वही पुराने क्षण स्मृति में कौदंने लगते हैं, जो एक तरह से हरेक के जीवन की दाल होते हैं। कहते हैं कि दोस्तों के साथ रहने से उप्रबद्धी होती है, मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहता है, शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। प्रमाण है कि दोस्त

साथ हो तो गंभीर बीमारियों जैसे दिल या कैंसर के गंभीर प्रक्रियाएँ नहीं होती हैं और वह भी बिना सामने बैठे अर्थात् केवल खालों के जिये कि दोस्त यहीं होती है, वही अहसास जल्दी ठीक होती है, लेकिन हम सबक सीखने को तैयार नहीं। सच है कि विकास का पैटर्न, अर्थिक गतिविधियों की दिशा बदलना आसान नहीं, लेकिन यह कठिन काम अब और टाला नहीं जा सकता। ये आपदाएँ प्रकृति की ओर से भेजी जाने वाली गंभीर चेतावनी हैं, जिनकी अनदेखी सबके लिए घातक होगी।



कृष्ण और सुदामा की पाठशाला में बड़ी दोस्ती राजा और रंग की मित्रता की पौराणिक गिरावल है। इसी के साथ कृष्ण और राधा, कृष्ण और द्रौपदी तथा कृष्ण और उद्धव की मित्रता के अलग स्वरूप हैं। आज के दौर में इन पौराणिक चरित्रों को समझना ही मित्रता की कहाई है। राधा और कृष्ण में आत्मीय मित्रता अर्थात् आत्मा का संबंध था।

ये, बल्कि उसे दोस्त भी नहीं मानते थे। महाभारत में कहते हैं कि ऐसी ही निःस्वार्थ भावना के बीज के लिए उपर्युक्त उद्धव की मित्रता की कसौटी और उद्धव की परिवर्त दोस्ती ही जीवन भर कायम रहती है।

मित्रता के पौराणिक प्रकार

कृष्ण और सुदामा की पाठशाला में बड़ी दोस्ती राजा और रंग की मित्रता की पौराणिक गिरावल है। इसी के साथ कृष्ण और राधा, कृष्ण और द्रौपदी तथा कृष्ण और उद्धव की मित्रता के अलग स्वरूप हैं। आज के दौर में इन पौराणिक चरित्रों को समझना ही मित्रता की कहाई है। राधा और कृष्ण में आत्मीय मित्रता की कसौटी है। यहीं अंत तक कायम रहा। इसमें न कभी विन पड़ा और न ही कभी कोई कमी आयी। कृष्ण के एक सखा को एक दूसरे के पूरक या कहें कि दो शरीर और एक आत्मा थे। उनका प्रेम अद्वितीय था। उनके केवल खालों के बाद रात रही नहीं होती था, बस एक रिश्ता बनने लगता था। इस बात की तरफ ध्यान ही नहीं जाता था कि जिससे दोस्ती हो रही है, उसकी आर्थिक, पारिवारिक और सामाजिक हैरानी की संबंध था। दोनों एक दूसरे के पूरक या कहें कि दो शरीर और एक आत्मा थे। उनका प्रेम अद्वितीय, अलौकिक था, सांसारिक विषयों की कामना और वासना का कोई स्थान नहीं था। आत्मिक प्रेम की कसौटी है। यहीं अंत तक कायम रहा। इसमें न कभी विन पड़ा और न ही कभी कोई कमी आयी। कृष्ण के एक सखा थे उद्धव जो उनके सहायात्री, एक-दूसरे के जैसे दोस्तों के साथ रहता है। उनके केवल दो सखा थे। एक थीं द्रौपदी और ये दोनों एक-दूसरे के सखा थे और एक-

कृष्ण और उद्धव तो सखा थे।

इसी संबोधन से पुकारते थे। महाभारत में

कहते हैं कि ऐसी ही मित्रता के लिए कसौटी और उद्धव की परिवर्त दोस्ती ही जीवन भर कायम रहती है।

मित्रता के पौराणिक प्रकार

कृष्ण और सुदामा की पाठशाला में बड़ी दोस्ती राजा और रंग की मित्रता की पौराणिक गिरावल है। इसी के साथ कृष्ण और राधा, कृष्ण और द्रौपदी तथा कृष्ण और उद्धव की मित्रता के अलग स्वरूप हैं। आज के दौर में इन पौराणिक चरित्रों को समझना ही मित्रता की कहाई है। राधा और कृष्ण में आत्मीय मित्रता की कसौटी है। यहीं अंत तक कायम रहा। इसमें न कभी विन पड़ा और न ही कभी कोई कमी आयी। कृष्ण के एक सखा थे उद्धव जो उनके सहायात्री, एक-दूसरे के जैसे दोस्तों के साथ रहता है। उनके केवल दो सखा थे। एक थीं द्रौपदी और ये दोनों एक-दूसरे के सखा थे और एक-

कृष्ण और उद्धव तो सखा थे।

इसी संबोधन से पुकारते थे। महाभारत में

कहते हैं कि ऐसी ही मित्रता के लिए कसौटी और उद्धव की परिवर्त दोस्ती ही जीवन भर कायम रहती है।

मित्रता के पौराणिक प्रकार

कृष्ण और सुदामा की पाठशाला में बड़ी दोस्ती राजा और रंग की मित्रता की पौराणिक गिरावल है। इसी के साथ कृष्ण और राधा, कृष्ण और द्रौपदी तथा कृष्ण और उद्धव की मित्रता के अलग स्वरूप हैं। आज के दौर में इन पौराणिक चरित्रों को समझना ही मित्रता की कहाई है। राधा और कृष्ण में आत्मीय मित्रता की कसौटी है। यहीं अंत तक कायम रहा। इसमें न कभी विन पड़ा और न ही कभी कोई कमी आयी। कृष्ण के एक सखा थे उद्धव जो उनके सहायात्री, एक-दूसरे के जैसे दोस्तों के साथ रहता है। उनके केवल दो सखा थे। एक थीं द्रौपदी और ये दोनों एक-दूसरे के सखा थे और एक-

कृष्ण और उद्धव तो सखा थे।

इसी संबोधन से पुकारते थे। महाभारत में

कहते हैं कि ऐसी ही मित्रता के लिए कसौटी और उद्धव की परिवर्त दोस्ती ही जीवन भर कायम रहती है।

मुख्यमंत्री ने भुवनेश्वर कैपिटल हॉस्पिटल का दौरा किया | कैपिटल हॉस्पिटल को और आधुनिक बनाया जायेगा : मोहन चरण माझी

- मरीजों की देखभाल में सुधार लाने और उनके प्रति अधिक सर्वेनाशील होने के परामर्श दिया।

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार शाम को भुवनेश्वर कैपिटल हॉस्पिटल का दौरा किया और रात में मरीजों की देखभाल कैसे की जा रही है, इसकी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने रोगियों के साथ बातचीत की और उनके रहना, भोजन और परिचारकों के लिए सुविधाओं के बारे में पूछताछ की। उन्होंने अस्पताल में स्वच्छता सुविधाओं के बारे में पूछताछ की।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि कैपिटल हॉस्पिटल को और आधुनिक बनाया जायेगा तथा



केरल भूस्खलन में मृत डॉ बिष्णु का पार्थिव शरीर भुवनेश्वर पहुंचा



आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। वायनाड में भूस्खलन की त्रासदी में मारे गये डॉ बिष्णु प्रसाद चिन्नार का पार्थिव शरीर आज शाम ओडिशा के भुवनेश्वर पहुंचा। उन्हें देसों, रिस्तेदारों और अन्य लोगों ने देखभाल में और सुधार करने तथा डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों को मरीजों के प्रति अधिक

वह उत्कल विश्वविद्यालय के सामने पहुंचा, उनके दोस्तों, रिस्तेदारों, शुभार्थियों और अन्य लोगों सहित कई लोगों ने पार्थिव शरीर को अंतिम बार देखा। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर को भुवनेश्वर के हाईटक अस्पताल ले आवास: नवीन निवास पर किया गया। डॉ महापात्रा की हड्डी कृति, अपनी तरह की पहली कृति, जिसकी प्रस्तावना सचिव डॉ विश्वमित्र ने भवुत विश्वविद्यालय के लिए दिया गया। डॉ महापात्रा की हड्डी कृति, जिसकी प्रस्तावना सचिव डॉ विश्वमित्र ने भवुत विश्वविद्यालय के लिए दिया गया। डॉ महापात्रा की हड्डी कृति, जिसकी प्रस्तावना सचिव डॉ विश्वमित्र ने भवुत विश्वविद्यालय के लिए दिया गया।

वह उत्कल विश्वविद्यालय के सामने पहुंचा, उनके दोस्तों, रिस्तेदारों, शुभार्थियों और अन्य लोगों सहित कई लोगों ने पार्थिव शरीर को अंतिम बार देखा। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर को भुवनेश्वर के हाईटक अस्पताल ले आवास: नवीन निवास पर किया गया। डॉ महापात्रा की हड्डी कृति, अपनी तरह की पहली कृति, जिसकी प्रस्तावना सचिव डॉ विश्वमित्र ने भवुत विश्वविद्यालय के लिए दिया गया। डॉ महापात्रा की हड्डी कृति, अपनी तरह की पहली कृति, जिसकी प्रस्तावना सचिव डॉ विश्वमित्र ने भवुत विश्वविद्यालय के लिए दिया गया। डॉ महापात्रा की हड्डी कृति, अपनी तरह की पहली कृति, जिसकी प्रस्तावना सचिव डॉ विश्वमित्र ने भवुत विश्वविद्यालय के लिए दिया गया। डॉ महापात्रा की हड्डी कृति, अपनी तरह की पहली कृति, जिसकी प्रस्तावना सचिव डॉ विश्वमित्र ने भवुत विश्वविद्यालय के लिए दिया गया। डॉ महापात्रा की हड्डी कृति, अपनी तरह की पहली कृति, जिसकी प्रस्तावना सचिव डॉ विश्वमित्र ने भवुत विश्वविद्यालय के लिए दिया गया।

नवीन पटनायक ने डॉ अविनाश की पुस्तक का विमोचन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। पुस्तक 'दशम श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज़: कलाम ए.



कलाम ए.

कल